**भारत सरकार**

**जल शक्ति मंत्रालय**

**जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 3039**

**जिसका उत्तर 16 दिसंबर, 2021 को दिया जाना है।**

**.....**

**कर्नाटक में बाढ़**

**3039. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:**

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को कर्नाटक में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा की जानकारी है जिससे राज्य के अधिकांश हिस्सों में तबाही और बाढ़ आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण जान-माल और फसलों के नुकसान का आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में केंद्र द्वारा कर्नाटक राज्य को क्या भौतिक, वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान की गई;

(ग) हाल के दिनांक में हुई ऐसी अभूतपूर्व वर्षा के क्या कारण हैं; और

(घ) देश में मौसम संबंधी बदलावों के बारे में समय पर भविष्यवाणी और पूर्वानुमान लगाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडू)**

**(क):** बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है जिसका सामना देश भिन्न-भिन्न स्तरों पर लगभग हर वर्ष करता है। बाढ़ कई कारणों से आती है जिनमें सामान्य पैटर्न से हट कर समय और स्थान की दृष्टि से वर्षापात में भारी भिन्नता, नदियों की अपर्याप्त जल वहन क्षमता, नदी तट कटाव, नदी तल पर गाद जम जाना, भू-स्खलन, बाढ़ संभावित क्षेत्रों में खराब प्राकृतिक जल निकासी, बर्फ का पिघलना तथा ग्लेशियल झीलों का फटना शामिल हैं। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) नोडल संगठन है जिसे देश में बाढ़ की भविष्यवाणी और बाढ़ पूर्व शीघ्र चेतावनी का काम सौंपा गया है। सीडब्ल्यूसी के बाढ़ पूर्वानुमान नेटवर्क के अनुसार, पिछले 3 वर्षों के दौरान, कर्नाटक राज्य में कृष्णा, कावेरी और उनकी सहायक नदियों के बेसिनों में अल्पावधि में होने वाली भारी और अत्याधिक बारिश के कारण पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों तापी से ताद्री तक सामान्य से अत्यधिक बाढ़ देखी गई। वर्ष 2019 से 2021 तक केंद्रीय जल आयोग के बाढ़ पूर्वानुमान और निगरानी नेटवर्क के अनुसार कर्नाटक में बाढ़ की स्थिति का सारांश **अनुलग्नक-।** में दिया गया है।

**(ख):** आपदा प्रबंधन का प्राथमिक उत्तरदायित्व राज्य सरकार का होता है। संबंधित राज्य सरकार प्राकृतिक आपदाओं को ध्यान में रखते हुए राहत के उपाय, भारत सरकार की पहले से ही निपटान के लिए अनुमोदित मदों और मानदंडों के अनुसार राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से करती है। आपदा की प्रकृति गंभीर होने की स्थिति में स्थापित प्रक्रिया के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाती है। कर्नाटक राज्य सरकार से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से अतिरिक्त वित्तीय सहायता लेने के अनुरोध प्राप्त होने पर, गृह मंत्रालय द्वारा एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) का गठन किया गया था और वर्ष 2021 की बाढ़/भूस्खलन से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए राज्य के इस स्थल का दौरा किया था। उच्च स्तरीय समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार वित्तीय सहायता पर विचार किया जाता है। आईएमसीटी की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2021 की बाढ़/भूस्खलन के कारण 20 मानव जीवन, 419 पशुधन का नुकसान हुआ और 10018 घरों/झोपड़ियों के साथ 217897 हेक्टेयर फसली (कृषि+बागवानी) क्षेत्र का नुकसान/क्षतिग्रस्त हो गया है। इसी बीच, कर्नाटक सरकार ने अक्टूबर-नवंबर-2021 के दौरान बाढ़ के लिए वित्तीय सहायता हेतु ज्ञापन के साथ एक पत्र भी भेजा है। सरकार ने कर्नाटक के प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के लिए उसी टीम को भेजने का फैसला किया है। इसके अलावा, कर्नाटक राज्य सरकार को एसडीआरएफ के तहत वर्ष 2021-22 में 843.20 करोड़ रूपए (632.80 करोड़ रुपए केंद्रीय हिस्से के रूप में + 210.40 करोड़ रूपए राज्य के हिस्से के रूप में) आवंटित किए गए हैं। कर्नाटक राज्य को एसडीआरएफ का केंद्रीय हिस्सा अग्रिम रूप से जारी कर दिया गया है।

**(ग) और (घ):** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सूचित किया है कि कर्नाटक में बाढ़ का एक कारण भारी वर्षा रहा है और सशक्त मानसून स्थिति के अलावा मौसम प्रणालियों जैसे कम दबाव प्रणाली, चक्रवाती घुमाव आदि के साथ-साथ राज्य मानसून मौसम (जून-सितंबर) के दौरान पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर चलने वाली तेज दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण प्रभावित रहा था। आपदा प्रबंधन कार्य और रोकथाम उपाय करने के लिए इन सभी सघन वर्षा की भविष्यवाणी अग्रिम रूप से पहले ही कर दी गई थी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) प्राकृतिक आपदाओं का शीघ्र पता लगाने के लिए निगरानी सहित सटीक मौसम पूर्वानुमान सेवाओं के माध्यम से देश में प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, आईएमडी सटीकता, लीड टाइम और संबद्ध प्रभाव के संदर्भ में मौसम पूर्वानुमान सेवाओं में लगातार सुधार कर रहा है।

******

**अनुलग्नक I**

**"कर्नाटक में बाढ़" विषय पर राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 3039, जिसका उत्तर दिनांक 16 दिसंबर, 2021 को दिया जाना है, के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक**

कर्नाटक में वर्ष 2019 से 2021 तक बाढ़ की स्थिति का सारांश

| वर्ष | निम्न में आने वाली बाढ़ पूर्वानुमान केन्द्रों की संख्या | | | थ्रेशोल्ड मान से अधिक वाले इन-फ्लो जलाशय |
|---|---|---|---|---|
| | अत्याधिक बाढ़ | गंभीर बाढ़ | बाढ़ पूर्वानुमान केंद्रों के अलावा निगरानी केंद्रों की संख्या जो चरम सीमा में आई | |
| 2019 | - | 1 | 13 | 13 |
| 2020 | 1 | - | 5 | 13 |
| 2021( नवंबर तक) | - | - | 3 | 13 |

****